संभाग पोस्ट

साप्ताहिक

RNI: MPHIN/2015/60688 | जिलों से संभाग तक का सच | email:sambhagpost@gmail.com

वर्ष-10 । अंक-21 । प्रति मंगलवार, इंदौर, 03 नवंबर 2026 से 09 नवंबर 2026 । । मूल्य- 2 रु. । पृष्ठ- 8

महर्षि इंस्टीट्यूट में 'डिग्री का झोल'!

बच्चों के खुलासों ने खोली परीक्षा व्यवस्था की पोल?

किसी ने कहा पैसे देकर पास हुए, किसी ने बताया परीक्षा ही नहीं दी, तो किसी की जगह दूसरे ने दिया एग्जाम! विद्यार्थियों के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल, **QR** कोड स्कैन कर देखिए परीक्षा के इस कथित खेल की पूरी कहानी...! संभाग पोस्ट, फेसबुक पेज पर वायरल वीडियो उपलब्ध हैं।





SPECIAL REPORT

✍ नवीन गलकर

इंदौर। कैट रोड स्थित 'महर्षि इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट' में परीक्षा का ऐसा कौन-सा अनोखा सिस्टम चल रहा था, जहां पढ़ाई और मेहनत के बजाय पैसे, सेटिंग और कथित जुगाड़ से पास होने के रास्ते तलाशे जा रहे थे? यहां परीक्षा देने पहुंचे विद्यार्थियों के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। इन वीडियो में कोई परीक्षा के दौरान खुलेआम चीटिंग होने की बात बता रहा है, तो कोई पैसे देकर पास होने का दावा कर रहा है। किसी के बयान में परीक्षा दिए बिना पास होने का खुलासा है, तो कोई अपनी जगह किसी दूसरे व्यक्ति से परीक्षा दिलवाने जैसी गंभीर बात बता रहा है। यानी परीक्षा देने वाले विद्यार्थियों के बयानों ने परीक्षा व्यवस्था की ऐसी तस्वीर सामने रख दी है, जिस पर विश्वविद्यालय से



दशरथ चौहान

पूर्व रजिस्ट्रार

लेकर जिला प्रशासन तक को जवाब देना चाहिए। इन विद्यार्थियों के बयान अब सोशल मीडिया पर वायरल हैं। 'संभाग पोस्ट' पाठकों के सामने इन वीडियो को रख रहा है। अखबार में प्रकाशित **QR** कोड स्कैन करिए और स्वयं देखिये कि परीक्षा देने पहुंचे विद्यार्थी क्या-क्या खुलासे कर रहे हैं। संभाग पोस्ट फेसबुक पेज पर वायरल वीडियो उपलब्ध हैं।

इस पूरे मामले में सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि वायरल हो रहे विद्यार्थियों के वीडियो शिकायतकर्ता द्वारा काफी पहले ही संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों तक कार्रवाई के लिए पहुंचाए जा चुके थे। यानी अधिकारियों के सामने केवल कागजों पर लिखी शिकायत नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के बयान के रूप में वीडियो साक्ष्य भी मौजूद थे। इसके बावजूद प्रभावी कार्रवाई दिखाई क्यों नहीं दी? क्या अधिकारियों ने इन वीडियो को देखा भी था? या फिर शिकायत के साथ पहुंचे वीडियो भी सरकारी दफ्तरों में अन्य कागजों की तरह फाइलों में दबाकर रख दिए गए? शायद किसी रसूखदार का डर होगा या मिलने वाली मोटी मलाई?

(शेष पृष्ठ 4 पर)



सुविचार

गिरकर संभलना ही तो जीत की निशानी है, मुश्किलों से लड़ना ही असली जवानी है।

संपादकीय

भारत की गरीबी के अर्धसत्य

क्या भारत में गरीबी 'नगण्य' स्तर पर आ रही है? क्या बहुत जल्द 'गरीबी-रेखा' की अवधारणा और मानकता समाप्त हो जाएंगी? क्या 285-400 रुपए रोजाना की आमदनी 'सामान्य स्थिति' है? गरीबी से उबरना है? देश के कण-कण, चप्पे-चप्पे, गली-मुहल्लों में जो गरीब परिवार दिखाई देते हैं, क्या उनमें से अधिकतर गरीबी से बाहर निकल आए हैं और सामान्य आय-वर्ग में शामिल हो चुके हैं? आरएसएस के सरकार्यवाह (महामंत्री) दत्तात्रेय होसबाले ने 375 रुपए से भी कम रोजाना कमाने वालों को 'गरीबी' की श्रेणी में रखा था, जिसमें करोड़ों भारतीय बताए गए थे, क्या उस आकलन और सर्वेक्षण का अर्थशास्त्र गलत था? पश्चिम बंगाल से उप्र तक की पट्टी में देश के करीब 57 फीसदी गरीब माने जाते रहे हैं, क्या उनमें से अधिकतर गरीबी से बाहर निकल आए हैं? देश में ऐसी कॉन-सी क्रांति या औद्योगिक विकास हुआ है, जिनसे गरीबी 3 फीसदी से भी कम पर आने का निष्कर्ष बताया जा रहा है? विश्व बैंक ने भारत की गरीबी पर जो रपट जारी की है, उसकी प्रामाणिकता और विश्वसनीयता कितनी है? भारत में गरीबी और गरीब के आंकड़े विश्व बैंक ने खुद तो जमा नहीं किए। भारत सरकार, मंत्रालयों और एजेंसियों ने जो डाटा मुहैया कराया होगा, विश्व बैंक ने उन्हीं का विश्लेषण किया होगा! तो उस आधार पर कैसे माना या दावा किया जा सकता है कि भारत में गरीबी बहुत कम हो चुकी है और करीब 50 करोड़ लोग, 2011-23 के दौरान, गरीबी-रेखा से बाहर आ चुके हैं? विश्व बैंक की रपट के मुताबिक, भारत में 'अत्यधिक गरीबी' 3 डॉलर (करीब 285 रुपए) रोजाना के मानक स्तर पर 27.1 फीसदी से घट कर मात्र 2.6 फीसदी रह गई है? यह 'अत्यधिक गरीबी' क्या होती है? यह शब्दावली किसने तय की और क्या सभी को स्वीकार्य है? बहरहाल 12 साल के कालखंड में साढ़े 3 साल यूपीए सरकार के हैं, शेष कालखंड मोदी सरकार का है। इन सालों में 49.6 करोड़ लोग गरीबी-रेखा से बाहर आए हैं। निम्न मध्यम आय-वर्ग में रोजाना 4.2 डॉलर (करीब 400 रुपए) कमाने और जीवनयापन करने वालों की आबादी 57.7 फीसदी से घट कर 16.1 फीसदी पर आ गई है। इसी स्तर पर 2026 की गरीबी-दर 14.2 फीसदी से घट कर 2028 में 12.1 फीसदी तक लुढक़ सकती है। इस विश्लेषण और इन निष्कर्षों पर कई सवाल हैं। भारत में औसतन 300-400 रुपए रोजाना कमाने वाले को 'गरीब' नहीं मानेंगे, तो क्या वह 'सामान्य' श्रेणी में गिना जाएगा? सरकारों ने न्यूनतम वेतन 18,000 रुपए से 24,000 रुपए तक तय कर रखा है। औसतन मजदूर भी 600-700 रुपए की दिहाड़ी मांगता है। विश्व बैंक के हिसाब से 9000-12,000 रुपए माहवार कमाई, आय वाले को 'गरीब' नहीं मानना चाहिए, लेकिन औसत किसान की आमदनी 10,000 रुपए माहवार भी नहीं है। उसे मजदूरी करनी पड़ती है। किसानी से 5000 रुपए भी नहीं मिलते। खेती पर 42 फीसदी कार्यबल आश्रित है। देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में भी कृषि का योगदान 16-18 फीसदी है। यह डाटा भारत सरकार के प्रेस सूचना ब्यूरो और विश्व बैंक का है। जिन आधारों पर गरीबी-उन्मूलन के दावे किए जा रहे हैं, उनके अपने 'अद्र्धसत्य' हैं। यह एक अलग विश्लेषण का विषय है, लिहाजा इसे यहीं छोड़ते हैं। 'गरीबी हटाओ' इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्री काल से एक बेहद संवेदनशील मुद्दा रहा है। इसी आधार पर उन्होंने 1971 का चुनाव जीत लिया था। बाद में कुछ और प्रधानमंत्री भी गरीबी-उन्मूलन के दावे करते रहे। भारत सरकार में इसका बाकायदा एक मंत्रालय है। प्रधानमंत्री मोदी ने भी अपनी योजनाओं के जरिए गरीबी मिटाने के लगातार दावे किए हैं। विश्व बैंक उनकी राजनीति को पुख्ता करता है, लेकिन यह सच भी देश के सामने आना चाहिए कि देश पर करीब 215 लाख करोड़ रुपए का कर्ज है। यह भी यथार्थ है कि वित्त वर्ष 2026-27 में अभी तक बेरोजगारी दर 14.6 फीसदी से बढ़ कर 15.9 फीसदी हो गई है।

600 बच्चों की सहभागिता से भव्य मातृ-पितृ चरण वंदन महोत्सव संपन्न

■ इंदौर । संभाग पोस्ट



श्री वर्द्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ ट्रस्ट महावीर भवन इंदौर के तत्वावधान में नरसिंह वाटिका, एयरपोर्ट रोड, इंदौर में आज विशाल एवं भावपूर्ण मातृ-पितृ चरण वंदन महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। संपूर्ण वातावरण श्रद्धा, भक्ति और पारिवारिक संस्कारों से ओतप्रोत रहा। इस पावन आयोजन में लगभग 600 बच्चों ने अपने माता-पिता के साथ उत्साहपूर्वक सहभागिता की। परम पूज्य अनुष्ठान आराधिका डॉ. कुमुदलता जी म.सा. आदि ठाणा-4 के पावन सान्निध्य एवं मार्गदर्शन में मातृ-पितृ चरण वंदन की संपूर्ण विधि संपन्न हुई।

श्री जिनेश्वर जैन ने बच्चों को विधिपूर्वक चरण प्रक्षालन, तिलक, मोती की माला द्वारा माल्यार्पण और वंदन करवाया तथा माता-पिता के प्रति आदर, विनम्रता और कृतज्ञता का महत्व समझाया। तत्पश्चात बच्चों ने अपने माता-पिता के चरण धोकर श्रद्धापूर्वक वंदन किया और आशीर्वाद प्राप्त किया। माता-पिता और बच्चों के बीच प्रेम, सम्मान और आत्मीयता से भरे इस भावुक दृश्य ने उपस्थित जनसमूह को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम में डॉ कुमुद लता जी महाराज ने बताया कि माता-पिता केवल जन्मदाता ही नहीं, बल्कि जीवन के प्रथम गुरु और सबसे बड़े मार्गदर्शक हैं। उनके त्याग और निस्वार्थ प्रेम के प्रति सम्मान व्यक्त करना प्रत्येक संतान का कर्तव्य है। बच्चों में बचपन से ही आदर, सेवा, विनम्रता और कृतज्ञता जैसे जीवन-मूल्य विकसित करना और आधुनिक शिक्षा के साथ संस्कारों का समन्वय स्थापित करना इस का मुख्य उद्देश्य था। इसी अवसर पर चातुर्मासिक संस्कार शाला शिविर का समापन भी हुआ। चार माह तक चली इस कुमुद संस्कार शाला में हजारों बच्चों ने धर्म और संस्कारों की शिक्षा प्राप्त की। पाठशाला के सफल संचालन में साध्वी राजकीर्ति जी म.सा. का विशेष श्रम एवं मार्गदर्शन रहा। इस आयोजन के लाभार्थी श्री महेंद्र गणगौर जैन महेन्द्र के नमकीन परिवार रहा। अंत में यह संदेश दिया गया कि शिक्षा मनुष्य को सफल बनाती है, लेकिन संस्कार उसे श्रेष्ठ इंसान बनाते हैं। संघ के महामंत्री श्री रमेश भण्डारी ने सभी के प्रति स्वागत उद्बोधन दिया। समारोह में प्रकाश भटेवरा,राजकुमार जैन, कपिल जैन,गजेंद्र बोडाना,राजेंद्र चोरड़िया,विमल तातेड,अभिषेक नाहर, गजेंद्र तातेड, प्रदीप रूनवाल,राकेश बिंदु मेहता,आदि सहित पूर्व केबिनेट मंत्री श्री सत्यनारायण जी जटीया उपस्थित थे। आभार श्री प्रकाश भटेवरा ने व्यक्त किया।

वक्त बीता, पीढ़ियां बदलीं, पर गुरुकुल का रिश्ता नहीं बदला; वर्षों बाद मिले साथी तो यादें हुईं जीवंत

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

वक्त के साथ उम्र बढ़ गई, जिम्मेदारियां बदल गईं और जीवन की राहें भी अलग-अलग हो गईं, लेकिन गुरुकुल में बने रिश्तों की आत्मीयता आज भी वैसी ही कायम है। वर्षों बाद पुराने गुरुकुल साथियों का मिलन हुआ तो बचपन की सुनहरी यादें फिर ताजा हो उठीं।



एयरपोर्ट रोड स्थित श्री केसरिया वाटिका में आयोजित नवपद ओलीजी आराधना-2026 के नवम दिवस पर धर्मसभा को संबोधित करते हुए डॉ. सिद्धरत्न विजयजी म.सा. ने कहा कि आलस्य, मोह और अज्ञानता आत्मकल्याण के मार्ग की सबसे बड़ी बाधाएं हैं। मनुष्य को अपने जीवन का महत्व समझते हुए धर्म, साधना और सत्कर्म के मार्ग पर चलना चाहिए।

इसी अवसर पर कालानी नगर स्थित उन्मुक्त आश्रम में 'गुरुकुल से गुरुकुल तक' कार्यक्रम के तहत पुराने गुरुकुल साथियों का आत्मीय मिलन आयोजित हुआ। पूज्य प.पू. विद्वरत्न विजयजी म.सा. ने गुरुकुल जीवन की स्मृतियां साझा करते हुए बच्चों को धर्म, संस्कार और सदाचार का महत्व समझाया। उन्होंने कहा कि केवल धार्मिक प्रवचन सुनना पर्याप्त नहीं, बल्कि उन शिक्षाओं को अपने आचरण में उतारना ही सच्ची धर्मसाधना है।

उन्मुक्त बाल आश्रम की संचालिका श्रीमती सौम्या तिलगोता ने बताया कि कार्यक्रम में सभी बच्चों को उपहार प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया। गुरु-शिष्य परंपरा, मित्रता और संस्कारों के प्रति समर्पण का यह आयोजन पुरानी स्मृतियों को जीवंत करने के साथ नई पीढ़ी को संस्कारित करने की प्रेरणा भी बना।

कार्यक्रम का संचालन शैलेश लाभरिया ने किया तथा आभार राकेश जैन ने माना। इस अवसर पर अनेक गुरुकुल साथी एवं समाजजन उपस्थित रहे।

इंदौर में रवि पुष्य पर हुई छप्परफाड़ बिक्री

धनवर्षा: 200 करोड़ का रियल एस्टेट और 100 करोड़ की गाड़ियां

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

दीपावली से ठीक पहले रविवार को रवि पुष्य नक्षत्र के शुभ संयोग पर इंदौर के ऑटोमोबाइल बाजार में ग्राहकों ने जमकर खरीदारी की। इस खास अवसर पर वाहन खरीदने के लिए सुबह से ही विभिन्न कंपनियों के शोरूम पर ग्राहकों की भारी भीड़ और आवाजाही देखने को मिली। इंदौर ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन के संयुक्त सचिव विशाल पमनानी के अनुसार रवि पुष्य नक्षत्र के पावन पर्व पर शहर में लगभग 700 कारों और 1500 दोपहिया वाहनों की सफलतापूर्वक डिलीवरी संपन्न हुई। इन डिलीवरी के जरिए अकेले ऑटोमोबाइल सेक्टर में करीब 100 करोड़ रुपए का भारी-भरकम व्यापार होने का अनुमान जताया गया है। शुभ मुहूर्त के साथ-साथ आकर्षक त्योहारी ऑफर्स मिलने के चलते कारों से लेकर दोपहिया वाहनों तक की बाजार में काफी जबरदस्त मांग दर्ज की गई।



बुकिंग के बाद शोरूम से नई सवारी घर ले गए ग्राहक

पुष्य नक्षत्र के अत्यंत शुभ मुहूर्त में अपनी नई सवारी को घर ले जाने के उद्देश्य से बड़ी संख्या में लोगों ने हफ्तों पहले से ही वाहनों की एडवांस बुकिंग करवा रखी थी। रविवार को ज्यादातर ग्राहक केवल अपने वाहनों की डिलीवरी लेने के लिए ही शोरूम पहुंचे थे। इस विशेष दिन के लिए पूरे शहर के वाहन शोरूम सुबह से ही दुल्हन की तरह सजे-धजे नजर आ रहे थे। इस बार के वाहन बाजार में लक्जरी एसयूवी की गाड़ियों के साथ-साथ हैचबैक यानी बजट और छोटी कारों की भी बहुत अच्छी मांग बनी रही। बड़े परिवारों तथा अधिक और आधुनिक फीचर्स वाले वाहन पसंद करने वाले ग्राहकों ने एसयूवी श्रेणी की गाड़ियों को प्राथमिकता दी, वहीं सीमित बजट में नई कार खरीदने पहुंचे ग्राहकों ने छोटी कारों में अपनी रुचि दिखाई। इसके अलावा पर्यावरण अनुकूल सीएनजी और इलेक्ट्रिक वाहनों की भी अपनी अलग मांग लगातार बनी रही। दोपहिया वाहन बाजार के भीतर भी शुभ मुहूर्त के समय वाहन की चाबी हासिल करने के लिए बड़ी संख्या में खरीदार पहुंचे। इंदौर ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन के संयुक्त सचिव विशाल पमनानी के अनुसार, रवि पुष्य नक्षत्र पर सामान्य बजट कारों से लेकर करोड़ों की कीमत वाली लक्जरी कारें भी हाथों-हाथ बिकीं। विभिन्न त्योहारी ऑफर्स और शुभ मुहूर्त पर नया वाहन खरीदने की पुरानी परंपरा के चलते पूरे ऑटोमोबाइल बाजार में शानदार उत्साह देखा गया। कारोबारियों को पूरी उम्मीद है कि यह व्यापारिक उत्साह आने वाली धनतेरस और दिवाली के पर्व पर भी इसी तरह बरकरार रहेगा।

रियल एस्टेट और सर्राफा समेत अन्य बाजारों में भी रही जबरदस्त रौनक

रवि पुष्य नक्षत्र के इस पावन अवसर पर ऑटोमोबाइल सेक्टर के अलावा सोना-चांदी, रियल एस्टेट, इलेक्ट्रॉनिक्स और घरेलू सामान के बाजारों में भी बहुत अच्छी ग्राहकी और कारोबार दर्ज किया गया। इंदौर ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन के संयुक्त सचिव विशाल पमनानी के अनुसार शहर भर में सभी व्यापारिक क्षेत्रों को मिलाकर करीब 850 करोड़ रुपए का रिकॉर्ड कारोबार संपन्न हुआ। अकेले रियल एस्टेट क्षेत्र में ही करीब 200 करोड़ रुपए की नई संपत्तियों की खरीदारी होने का अनुमान लगाया गया है। शुभ मुहूर्त के समय नए मकान, प्रीमियम फ्लैट और अन्य व्यावसायिक संपत्तियों के कई बड़े सौदे फाइनल हुए, वहीं इलेक्ट्रॉनिक्स, आधुनिक घरेलू उपकरणों, सजावटी वस्तुओं और कपड़ों के बाजारों में भी दिन भर ग्राहकों की भारी भीड़ जमी रही।



जनता सरकार मोर्चा के सम्मानित STL डॉ. ऋषि सागर जी का 3 नवंबर को इंदौर आगमन

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

दिनांक 3 नवंबर को जनता सरकार मोर्चा के सम्मानित एऊथ डॉ. ऋषि सागर जी का इंदौर आगमन होने जा रहा है। इस अवसर पर उनके मार्गदर्शन में एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस प्रशिक्षण शिविर में जनता सरकार मोर्चा के मुख्य उद्देश्यों, विचारधारा एवं कार्यप्रणाली के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी जाएगी। साथ ही समाज को जागरूक, संगठित एवं सशक्त बनाने तथा जनहित के कार्यों को प्रभावी रूप से आगे बढ़ाने के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज में जागरूकता बढ़ाना, लोगों को उनके अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति सजग करना और एक सशक्त, संगठित एवं जागरूक समाज के निर्माण की दिशा में प्रयास करना है।



आरएसएस के देशभर में 46 प्रांतों के बजाए 90 संभाग बनाने पर हुआ बैठक में मंथन

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक सोमवार को इंदौर के डेली कॉलेज में शुरू हुई। बैठक में देशभर से 408 पदाधिकारी शामिल हुए हैं। सुबह 9 बजे सरसंघचालक मोहन भागवत और सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने भारत माता के चित्र पर पुष्प अर्पित कर बैठक का शुभारंभ किया। बैठक में संघ की वर्षभर की गतिविधियों की समीक्षा, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा और संगठनात्मक बदलावों पर महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाने हैं। खास बात यह है कि संघ ने प्रांत व्यवस्था समाप्त कर देशभर में 90 संभाग बनाने का फैसला किया है। मंगलवार को संगठनात्मक चुनाव की रूपरेखा भी तैयार की जाएगी। शताब्दी वर्ष और आगामी संगठनात्मक चुनावों के मद्देनजर इस बैठक को बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

स्थापना दिवस पर बोले मंत्री विजयवर्गीय

मध्य प्रदेश और मेरी उम्र लगभग समान है



■ इंदौर । संभाग पोस्ट

मध्यप्रदेश का स्थापना दिवस रविवार को इंदौर में भी मनाया गया। मुख्य समारोह लता मंगेशकर सभागृह में आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय मौजूद थे। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश की स्थापना 1 नवंबर 1956 को हुई थी और मेरा जन्म 13 मई 1965 को हुआ। इस प्रकार मेरी और प्रदेश की उम्र लगभग समान है। मैंने अपनी उम्र के साथ प्रदेश को भी बदलते देखा है। मध्यप्रदेश में हमारी सरकार के कार्यकाल के दौरान विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है।

मध्यप्रदेश आज देश के अग्रणी राज्यों में शामिल होने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रदेश में सड़क, शिक्षा, सिंचाई और आधारभूत सुविधाओं के क्षेत्र में व्यापक बदलाव आया है। वर्ष 2003 में प्रदेश की सिंचाई क्षमता लगभग सात लाख हेक्टेयर थी। आज सिंचाई सुविधाओं का तेजी से विस्तार हुआ है। प्रदेश में एक लाख किलोमीटर से अधिक अच्छी सड़कों का निर्माण किया गया है। बेहतर सड़क नेटवर्क के कारण आवागमन आसान हुआ है और विकास की गति तेज हुई है।

उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य सिंचाई का रकबा बढ़ाकर एक करोड़ हेक्टेयर तक पहुंचाना है, जिससे किसानों की समृद्धि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। नर्मदा जल को पेयजल और सिंचाई के लिए गांव-गांव तक पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

समारोह में विकासात्मक गतिविधियों और विभागीय योजनाओं पर आधारित प्रदर्शनी लगाई गई। स्कूली विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया। वहीं, विभिन्न शासकीय योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ भी वितरित किए गए।स्थापना दिवस के अवसर पर शासकीय भवनों को आकर्षक रोशनी से सजाया गया।

संभाग पोस्ट के पिछले अंक पढ़ने के लिए क्यूआर कोड को स्केन करें अथवा संभाग पोस्ट की वेबसाइट www.sambhagpost.com पर विजीट करें।

महर्षि इंस्टीट्यूट में 'डिग्री का झोल'!

बच्चों के खुलासों ने खोली परीक्षा व्यवस्था की पोल?



दशरथ चौहान



पूर्व रजिस्ट्रार

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मामले में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के तत्कालीन कुलसचिव का वीडियो भी वायरल है, जिसमें वे महर्षि इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के प्राचार्य दशरथ चौहान से फोन पर बातचीत करते दिखाई देते हैं। जब वीडियो बोल रहे हों, विद्यार्थी खुलासे कर रहे है और शिकायतें पहले से मेज पर रखी हों, तब जिम्मेदारों की चुप्पी आखिर किस बात का संकेत है? यह मामला कोई आज अचानक पैदा नहीं हुआ। 'संभाग पोस्ट' द्वारा महर्षि इंस्टीट्यूट में कथित अवैध परीक्षा संचालन को लेकर लगातार खबरें प्रकाशित कर जिम्मेदार अधिकारियों की नींद तोड़ने की कोशिश की जाती रही है। शिकायतकर्ता ने जांच दल को अवैध परीक्षा संचालन से संबंधित वीडियो साक्ष्य भी सौंपे। और जांच दल अपना प्रतिवेदन संबंधित अधिकारियों को सौंप चुका है। अब सवाल यह है कि जांच पूरी होने के बाद भी कार्रवाई का पहिया किसने रोक रखा है? क्या जांच प्रतिवेदन में कोई तथ्य सामने नहीं आए या फिर सामने आए तथ्यों पर कार्रवाई करने का साहस नहीं जुटाया जा रहा? यदि जांच रिपोर्ट जमा हो चुकी है, तो उसे सार्वजनिक करने और उस पर की गई कार्रवाई शिकायतकर्ता को बताने में आखिर परेशानी क्या है? संबंधित अधिकारियों का कहना है जांच रिपोर्ट शिकायतकर्ता को बताई नहीं जा सकती। जांच समिति बनाना ही कार्रवाई नहीं होता साहब! जांच रिपोर्ट पर निर्णय लेना और दोषी पाए जाने वालों पर कार्रवाई करना भी प्रशासन की जिम्मेदारी है।

अब जरा विश्वविद्यालय प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गौर कीजिए। इस पूरे मामले में सबसे बड़ा और चौंकाने वाला सवाल देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर की कार्यप्रणाली पर है। 'संभाग पोस्ट' ने 27 अक्टूबर 2026 के अंक में प्रमुखता से सवाल उठाया था। अखबार ने अपने विशेष समाचार में महर्षि इंस्टीट्यूट को लेकर लगातार सामने आ रहे खुलासों, शिकायतों और जांच प्रक्रिया पर सवाल उठाए थे। शिकायतकर्ता द्वारा गंभीर आरोपों के साथ दस्तावेज और वीडियो साक्ष्य जांच समिति को सौंपे जा चुके थे। इसके बावजूद डीएवीवी ने 23 अक्टूबर 2026 को जारी अधिसूचना में महर्षि इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, कैट रोड, इंदौर को परीक्षा केंद्र के रूप में शामिल कर दिया। एक तरफ संस्थान की परीक्षा व्यवस्था को लेकर शिकायतें, वीडियो साक्ष्य और जांच की प्रक्रिया चल रही है, दूसरी तरफ उसी संस्थान को परीक्षा केंद्र घोषित कर दिया जाता है। आखिर यह कैसा प्रशासनिक विवेक है? या मामला कुछ और है, विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने शिकायतों और जांच की जानकारी होने के बावजूद यह फैसला क्यों लिया? किस लाभ के चलते परीक्षा केंद्र निर्धारित करते समय संस्थान की विश्वसनीयता और निष्पक्षता पर विचार करना जरूरी नहीं समझा गया?

सोचिए, जो विद्यार्थी सालभर किताबों में सिर खपाते हैं, रात-रात भर जागकर पढ़ाई करते हैं, अपने माता-पिता के सपनों को साकार करने के लिए किन- किन प्रक्रियाओं से गुजरते हैं, प्रतियोगिता और परीक्षाओं में अपनी योग्यता साबित करने के लिए संघर्ष करते हैं, उनके सामने यदि पैसे और कथित सेटिंग के दम पर पास होने वाले (विद्यार्थी नहीं कहूँगा) लोग आजाए, तो ईमानदारी से पढ़ाई करने का महत्व ही क्या रह जाएगा? और उन ईमानदार विद्यार्थियों की जगह बेईमान लोग उनके स्थान पर आसीन हो जाएंगे, तब उनकी मेहनत और सपने ताश के पत्तों के महल की तरह ढह जाएंगे। फर्जी तरीके से हासिल की गई डिग्री के आधार पर अयोग्य व्यक्ति किसी सरकारी विभाग, संस्थान या महत्वपूर्ण पद पर पहुंच जाता है, तभी उसके निर्णयों का खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ता हैं?

पहले के समय में मेहनत,लगन और ईमानदारी से पढ़े लिखे जिम्मेदार पद पर पहुंचे अधिकारी ऐसी खबरों पर स्वतः संज्ञान लेकर त्वरित कार्रवाई किया करते थे, पर आज शायद यह हो सकता है कि ऐसी ही कोई परीक्षा देकर अधिकारी पद पर पहुंचे हो? जो शिकायत के बाद भी मामले का संज्ञान लेना नहीं चाहते?

आखिर पद केवल कुर्सी ही नहीं, बल्कि जिम्मेदारी और जवाब देही का भी नाम है।

वायरल वीडियो संभाग पोस्ट पेज पर उपलब्ध है।

संभाग पोस्ट सामाजिक दृढ़ता संकल्प अभियान

अब आपकी आवाज होगी बुलंद लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के संग

आज के समाज में हम देख रहे हैं की शहरी परिवेश की बात करें या ग्रामीण परिवेश की आज के परिवेश में व्यक्ति अकेला पड़ता जा रहा है। आधुनिक तकनीकियों का इस्तेमाल करते-करते अपने आप को अकेला महसूस करता है , जब उसके ऊपर ऐसी कोई विपत्ति आती है की जब उसके परिवारजन या मित्र बंधु उसका साथ दे। तब वह पता है कि वह अकेला खड़ा है। यह आज के समाज का सत्य है। यह भारत के ७० प्रतिशत लोगों की सच्चाई है वह किसी भी प्रकार की समस्या में हो चाहे पारिवारिक या मानसिक, सामाजिक, प्रशासनिक या चिकित्सकीय हो ऐसी किसी भी समस्या में वह पाता है कि वह अकेला है। और यदि ऐसे मे किसी मोड़ पर कुछ व्यवधान उत्पन्न हो तब वह नीरस हो जाता है, और किसी न किसी प्रकार की गलती कर बैठता है । समाज की ऐसी सबसे बड़ी समस्या को लेकर हमने सामाजिक दृढ़ता संकल्प का अभियान चलाया है जिसके तहत हम उन सभी ऐसे लोगों के साथ खड़े हुए हैं जो हमसे जुड़ेंगे तथा वे लोग जो हमसे किसी न किसी प्रकार से जुड़े हुए हैं , हमारा प्रयास यह होगा कि ऐसी किसी भी समस्या में हम उनके साथ खड़े हो जिस जगह पर वह सही है और उन्हें व्यवधान,समस्या का सामना करना पड़ रहा है, ऐसी स्थिति में संभाग पोस्ट परिवार उनके साथ खड़ा है।

■समाज में एक कहावत प्रचलित है सत्य परेशान हो सकता है। पराजित नहीं हो सकता,

■ईश्वर की इसी प्रेरणा को हमारे मीडिया चैनल हमारे अखबार ने आत्मसात किया है और हम उन सभी समाज जनों के साथ खड़े हैं जिनके साथ सत्य है।

■ईश्वर सत्य का साथ देने वाले उनके अनुयायियों की सहायता करने स्वयं नहीं आते किंतु किसी न किसी माध्यम से सत्य का साथ दे रहे व्यक्ति की सहायता जरूर करते हैं।

■हम अपने आप को धन्य समझते हैं कि हमने यह मुहिम चलाई है जिसके तहत यदि आपके साथ सत्य है तो हम आपके साथ सदा खड़े हुए हैं

■हमारे चैनल और हमारे अखबार से जुड़े हुए सभी सदस्य गण जिनकी किसी भी प्रकार की परेशानी अब उनकी नहीं वह हमारी है।

■जब समाज दृढ़ होगा, सत्य की विजय होगी जब एकता और समान व्यवहार और ज्ञान होगा तब हमारा समाज एक नए भारत का दृढ़ निश्चय भारत का निर्माण कर पाएगा

■यदि आपका काम, स्वयं आप और आपका विचार, सत्य के साथ है तो वह आपका नहीं अपितु वह हमारा विचार होगा , क्योंकि आप भारत के चौथे स्तंभ मीडिया के साथ है

■अब आम आदमी की आवाज आम आदमी की नहीं अपितु उसके साथ हमारी भी आवाज होगी इसलिए आपसे निवेदन है कि हमारे साथ शीघ्र से शीघ्र जुड़े और अपनी आवाज को एक नया आयाम दें और अपने समाज को अपने परिवार को और अपने देश को सशक्त बनाएं

■हमारे साथ जुड़ने के लिए आपको कोई नया प्रयास नहीं करना केवल सामाजिक दृढ़ता संकल्प संभाग पोस्ट अभियान का एक फॉर्म भरना है

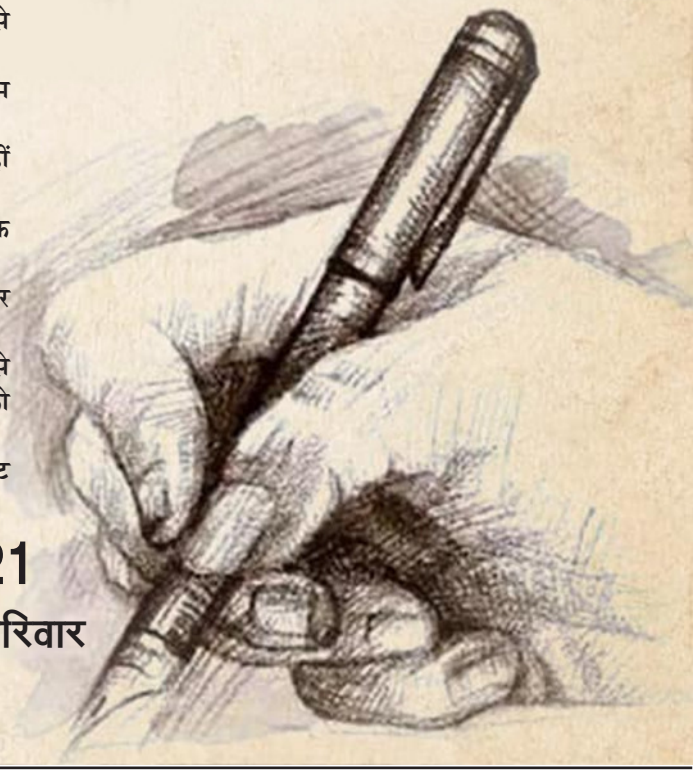

विचार न कीजिए तुरंत संपर्क करें: 9755648321

क्योंकि दृढ़ होगा समाज तो सशक्त होगा भारत और खुशहाल होगा हमारा परिवार

सत्यम,शिवम्,सुंदरम। सत्यमेव जयते

भारत माता की जय वंदे मातरम

भोपाल में सेना दिवस-2027 का शंखनादः 55 जिलों की मिट्टी से रोपा संकल्प वृक्ष, 15 जनवरी को दिखेगा सेना का शौर्य



■ **भोपाल । संभाग पोस्ट**

मध्यप्रदेश के 71वें स्थापना दिवस पर राजधानी भोपाल में सेना दिवस-2027 के आयोजनों की शुरुआत अनूठे अंदाज में हुई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को शौर्य स्मारक में 'संकल्प वृक्ष' का पौधरोपण किया। इस दौरान प्रदेश के सभी 55 जिलों से लाई गई मिट्टी को वृक्ष में अर्पित किया गया। 'मेरी माटी' अभियान के तहत हुई यह पहल प्रदेश की एकता, अखंडता और सामूहिक सहभागिता का प्रतीक बनी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सेना की विशेष प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। इसमें भारतीय सेना के शौर्य, पराक्रम, सामरिक क्षमता और आधुनिक तकनीकी नवाचारों को प्रदर्शित किया गया है। प्रदर्शनी में सेना दिवस परेड, रण हुंकार और एकीकृत युद्ध प्रदर्शन की झलकियां भी शामिल हैं।

15 जनवरी को भोपाल में पहली बार होगा सेना दिवस का भव्य आयोजन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश के लिए यह गौरव का अवसर है कि 1 नवंबर से 15 जनवरी 2027 तक प्रदेश की धरती पर भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होंगे। 15 जनवरी को भोपाल में सेना दिवस का मुख्य आयोजन होगा। उन्होंने कहा कि इस आयोजन के माध्यम से प्रदेशवासियों को भारतीय सेना के अदम्य साहस, अनुशासन और सामरिक क्षमता को करीब से जानने का अवसर मिलेगा। यह आयोजन विशेष रूप से युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा।

2027 होगा युवा वर्ष, सेना दिवस से होगी शुरुआत

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिला, युवा, गरीब और किसान वर्गों को देश के विकास की प्राथमिकता में रखा है। इसी सोच के अनुरूप राज्य सरकार ने भी पांच साल के कार्यकाल में हर वर्ष को एक विशेष वर्ग के कल्याण के लिए समर्पित करने का संकल्प लिया है। वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है, जबकि 2027 युवा वर्ष होगा। इसकी शुरुआत सेना के शौर्य और पराक्रम को समर्पित आयोजन से होना प्रदेश के युवाओं के लिए गौरव की बात है।

एनसीसी और अग्निवीर योजना से युवाओं में राष्ट्रसेवा का भाव

मुख्यमंत्री ने एनसीसी की भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके माध्यम से युवाओं में अनुशासन, देशभक्ति और सैन्य प्रशिक्षण के संस्कार विकसित होते हैं। एनसीसी के अनुभव जीवनभर प्रेरणा देते हैं। उन्होंने अग्निवीर योजना को भी युवाओं की सेना में भागीदारी और राष्ट्रसेवा की भावना मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया।

55 जिलों की मिट्टी से दिया एकता का संदेश

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश



के सभी 55 जिलों से मिट्टी एकत्रित कर संकल्प वृक्ष के रोपण में उसका उपयोग करना मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक विविधता और एकता का प्रतीक है। अलग-अलग बोलियां, परंपराएं और संस्कृतियां होने के बावजूद प्रदेशवासी एक सूत्र में बंधे हैं। उन्होंने मिट्टी के कलश लेकर आए विद्यार्थियों का अभिनंदन करते हुए कहा कि राष्ट्र और प्रदेश के निर्माण में युवाओं की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने सेना दिवस के आयोजन के लिए रक्षा मंत्रालय, भारतीय सेना, एनसीसी और अन्य आयोजकों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि सेना के शौर्य और बलिदान को नमन करने का यह विशेष अवसर है और प्रदेश सरकार इसे यादगार बनाने के लिए प्रयास कर रही है।

एमपी स्थापना दिवसः सीएम यादव बोले- गौरवशाली अतीत, विकासशील वर्तमान और समृद्ध भविष्य की ओर बढ़ रहा मध्यप्रदेश



■ **भोपाल । संभाग पोस्ट**

मध्यप्रदेश के 71वें स्थापना दिवस पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के विकास का रोडमैप सामने रखा। उन्होंने किसानों की आय बढ़ाने, युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ने, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और शिक्षा-स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार को प्राथमिकता बताया। मुख्यमंत्री ने वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष के रूप में मनाने का उल्लेख करते हुए कहा कि इस बार स्थापना दिवस की मूल भावना 'समृद्ध किसान-समृद्ध प्रदेश' है। किसान खुशहाल होंगे तो गांव समृद्ध होंगे और प्रदेश आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से आगे बढ़ेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक नवंबर 1956 को अस्तित्व में आए मध्यप्रदेश ने सात दशकों में अनेक उपलब्धियां हासिल की हैं। प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत, प्राकृतिक संपदा, ऐतिहासिक धरोहरें और जनजातीय परंपराएं इसकी पहचान हैं। उज्जैन का महाकाल मंदिर, मां नर्मदा, सांची स्तूप, खजुराहो और भीमबेटका जैसी धरोहरों को संरक्षित रखते हुए विकास की नई ऊंचाइयां हासिल करना लक्ष्य है।

खेती के साथ पशुपालन और उद्यानिकी पर जोर

किसानों की आय बढ़ाने के लिए सिंचाई सुविधाओं के विस्तार, कृषि अधोसंरचना, प्राकृतिक खेती, उन्नत बीज और आधुनिक कृषि यंत्रों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। खेती के साथ उद्यानिकी, दुग्ध उत्पादन, मत्स्य पालन और पशुपालन जैसी गतिविधियों को जोड़कर आय के अतिरिक्त अवसर विकसित किए जा रहे हैं। खाद्य प्रसंस्करण और कृषि आधारित उद्योगों को भी बढ़ावा देने की बात कही गई है।

युवाओं को नौकरी देने वाला बनाने की तैयारी

मुख्यमंत्री ने युवाओं को प्रदेश की सबसे बड़ी ताकत बताते हुए कहा कि उन्हें उद्योगों की जरूरत के अनुरूप प्रशिक्षण, तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास से जोड़ना जरूरी है। सरकार का लक्ष्य युवाओं को केवल नौकरी पाने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला उद्यमी बनाना है। इसके लिए स्टार्टअप संस्कृति, निवेश और नवाचार को बढ़ावा दिया जाएगा। खेलों में भी प्रतिभाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया।

महिलाओं, शिक्षा और स्वास्थ्य पर फोकस

महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्व-सहायता समूहों, कौशल प्रशिक्षण, स्वरोजगार और महिला उद्यमिता को प्रोत्साहित करने की बात कही गई। शिक्षा के क्षेत्र में सांदीपनि विद्यालयों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया। वहीं, सरकारी अस्पतालों में आधुनिक सुविधाओं, मेडिकल कॉलेजों, विशेषज्ञ चिकित्सकों और ग्रामीण क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल बताया।

सरकारी प्रक्रियाएं सरल करने पर जोर

मुख्यमंत्री ने कानून व्यवस्था को मजबूत बनाने, अपराधों के प्रति जीरो टॉलरेंस और पुलिस व्यवस्था के आधुनिकीकरण की बात कही। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि सरकारी प्रक्रियाओं को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनाया जाएगा, ताकि नागरिकों को अनावश्यक प्रशासनिक जटिलताओं का सामना न करना पड़े। उन्होंने स्थापना दिवस पर विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने और आत्मनिर्भर, सुरक्षित एवं समृद्ध मध्यप्रदेश के निर्माण का संकल्प लेने की अपील की।





धार पुलिस का अब तक का सबसे बड़ा प्रहार!

ऑपरेशन प्रहार में 17 टन हरा गांजा जब्त, कीमत करीब 45 करोड़ रुपये

■ धार । संभाग पोस्ट

'पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा के निर्देशन में धार जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में बड़ी कार्रवाई, मादक पदार्थों के अवैध कारोबार पर पुलिस का करारा प्रहार' जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं कारोबार के खिलाफ धार पुलिस ने ऑपरेशन प्रहार के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 17 टन हरा गांजा जब्त किया है। जब्त गांजे की अनुमानित कीमत लगभग 45 करोड़ रुपये बताई जा रही है।

पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा के निर्देशन में जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में चलाए गए विशेष अभियान के तहत पुलिस ने यह बड़ी सफलता हासिल की है। इस कार्रवाई को धार जिला पुलिस की मादक पदार्थों के खिलाफ अब तक की बड़ी कार्रवाइयों में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जिले में नशे के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है। ऑपरेशन प्रहार के माध्यम से तस्करों और अवैध कारोबार में संलिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। 45 करोड़ का गांजा जब्त होने से नशा तस्करों में हड़कंप मचा है। धार पुलिस की इस कार्रवाई से जिले में अवैध मादक पदार्थों के कारोबार पर बड़ा प्रहार हुआ है।

अद्भुत कम्युनिटी की पहल

मिट्टी के दीयों से 50 से अधिक परिवारों की दिवाली रोशन, आत्मनिर्भरता की नई कहानी लिख रहीं बस्ती की महिलाएँ

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

दिवाली पर जब हम अपने घरों को रोशन करने के लिए बाजार से दीये खरीदते हैं, तब शायद ही सोचते हैं कि मिट्टी का एक छोटा-सा दीया किसी परिवार के जीवन में कितनी बड़ी रोशनी ला सकता है। इंदौर की एक बस्ती में इन दिनों कुछ ऐसे ही दीये आकार ले रहे हैं, जिनमें मिट्टी और रंगों के साथ बच्चों के सपने, महिलाओं की मेहनत और आत्मनिर्भर बनने की उम्मीदें भी शामिल हैं।



अद्भुत कम्युनिटी (Adbhut Community) पिछले कई वर्षों से बस्ती के बच्चों को शिक्षा से जोड़ने और उनके जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए काम कर रही है। संस्था के प्रयासों में एक बड़ी चुनौती उन बच्चों तक पहुँचना भी थी, जिनकी पढ़ाई में रुचि नहीं थी। इनमें ऐसे बच्चे भी शामिल थे, जो छोटी उम्र में ही दूसरों के घरों में काम करने या मजदूरी करने को मजबूर थे। ऐसे में संस्था ने शिक्षा के साथ-साथ उनकी रुचियों को समझने और उन्हें रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ने का रास्ता चुना।

इसी प्रयास को आगे बढ़ाते हुए संस्था से जुड़ी परिधि ने बस्ती के बच्चों और महिलाओं को अलग-अलग कलाओं से जोड़ना शुरू किया। धीरे-धीरे यही कला उनके लिए रोजगार का माध्यम बनने लगी। आज बस्ती की महिलाएँ और लड़कियाँ दीपावली के लिए आकर्षक, रंग-बिरंगे और कलात्मक दीये तैयार कर रही हैं। इस पहल से 50 से अधिक परिवारों को रोजगार का अवसर मिला है।

इस पहल की सबसे खूबसूरत बात यह है कि यहाँ तैयार होने वाले दीये केवल बाजार में बिकने वाला सामान नहीं हैं, बल्कि एक परिवार की खुशियों से जुड़े हैं। इनसे होने वाली कमाई से घर के बच्चों और महिलाओं के लिए नए कपड़े, मिठाइयाँ और पटाखे खरीदे जा रहे हैं। जिन परिवारों के लिए त्योहार मनाना कभी आर्थिक चिंता का विषय हुआ करता था, उनके लिए अब अपने श्रम और हुनर से दिवाली की खुशियाँ जुटाने का रास्ता खुल रहा है।

मजदूरी की मजबूरी से निकलकर अपने हुनर के दम पर कमाई करने की यह यात्रा महिलाओं और लड़कियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। इससे उनके भीतर आत्मविश्वास बढ़ रहा है और वे अपने परिवार की खुशियों में आर्थिक योगदान देने के साथ आत्मसम्मान के साथ जीवन जीने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं।

शिक्षा की चौपाल और हुनर की पाठशाला

इस अभियान में जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के एमबीए के 20 विद्यार्थी भी सहयोग कर रहे हैं। ये विद्यार्थी बस्ती में महिलाओं के साथ दीये बनाने में हाथ बँटाने के साथ बच्चों की शिक्षा में भी सहयोग दे रहे हैं। संस्था की चौपाल शिक्षा पहल के माध्यम से बच्चों को पढ़ाई से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। इस तरह शिक्षा, रचनात्मकता और रोजगार को एक साथ आगे बढ़ाने की कोशिश की जा रही है। यहाँ शिक्षा का अर्थ केवल किताबों तक सीमित नहीं है, बल्कि बच्चों को जीवन में आगे बढ़ने के अवसर देना भी है। जो बच्चे पढ़ाई से दूरी महसूस करते थे, उन्हें कला और हुनर के माध्यम से सीखने की प्रक्रिया से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

इंदौर से बाहर तक पहुँच रहे बस्ती में बने दीये

बस्ती की महिलाओं द्वारा तैयार किए गए दीये अब इंदौर के साथ-साथ शहर के बाहर भी भेजे जा रहे हैं। इनके प्रचार-प्रसार के लिए ऑनलाइन माध्यमों का सहारा लिया जा रहा है। इंदौर में ग्राहकों के लिए निःशुल्क डिलीवरी की सुविधा भी उपलब्ध है। इससे स्थानीय हुनर को बाजार तक पहुँचाने और महिलाओं की मेहनत को उचित पहचान दिलाने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं।

अद्भुत कम्युनिटी की यह पहल बताती है कि सामाजिक बदलाव हमेशा बड़े संसाधनों से ही नहीं आता। कई बार किसी की रुचि को पहचानना, उसके हुनर को अवसर देना और उसके श्रम को सम्मान दिलाना ही बदलाव की शुरुआत बन जाता है।

इन दीयों की लौ में सिर्फ तेल और बाती नहीं, बल्कि एक बेहतर कल की उम्मीद भी जल रही है। हर बिकने वाला दीया किसी बच्चे के सपने को सहारा दे सकता है, किसी महिला के आत्मविश्वास को मजबूत कर सकता है और किसी परिवार की दिवाली को खुशियों से भर सकता है। क्योंकि रोशनी का असली अर्थ सिर्फ अपने घर का अँधेरा मिटाना नहीं, बल्कि किसी दूसरे के जीवन में भी उजाला पहुँचाना है। इस बस्ती में बन रहे दीये इसी सोच को साकार कर रहे हैं—जहाँ मिट्टी के छोटे-छोटे दीप, आत्मनिर्भरता की एक बड़ी कहानी लिख रहे हैं।



डॉ. हिमांशु केलकर
एम.डी., डी.सी.एच.
नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ
मो. 9202238451
क्लिनिक: 20 जी/एच., गीतांजलि अपार्टमेन्ट, मार्केट रोड, विजय नगर
स्कीम नं. 54, इंदौर (म.प्र.) Email : himanshukelkar@rediffmail.com
समय : प्रातः 10.30 से 1.30 बजे, सायं 5.30 से 8.30 बजे तक
निवास : 7-बी, शालीमार टाउनशिप, ए.बी. रोड, इंदौर

श्री रवि इत्र सुगन्ध भण्डार
गुलाब, मोगरा, चन्दन, परफ्यूम इत्यादि के थोक एवं खेरची विक्रेता
प्रोपायटर : रवि सुगन्धी
मो. 9452665448
पता: हीरानगर, मेनरोड, सुखलिया, मिलन गार्डन के पास, इन्दौर

श्री चारभुजा
शुद्ध माते की मिठाइयों के निर्माता एवं विक्रेता
स्वीट्स एवं नमकीन
गुलाब जामुन, मावाबाटी, काला जामुन, रसगुल्ला इत्यादि
662/9, नेहरू नगर, अटल द्वार, इन्दौर
शाखा : 60, न्यू देवास रोड, राजकुमार ब्रिज, इंदौर

संदीप पवार
Mob :-98260-68380
KP
॥ श्री गणेशाय नमः॥
न्यू नर्मदा ट्रेडर्स
सीमेन्ट
बालू रेती
काली रेती, गिट्टी
ईंट एवं बिल्डिंग मटेरियल के विक्रेता
4, मंगलनगर, आई.टी.आई. रोड, बैंक ऑफ बड़ौदा के पास, पेट्रोल पम्प के पहले, इन्दौर (म.प्र.)

रामसेवक दुबे
9406621084
पूजा
बुक्स एण्ड स्टेशनर्स
CBCE स्कूल बुक्स
चिल्ड्रन बुक्स
ऑफिस स्टेशनरी
कम्प्यूटर स्टेशनरी
स्कूल स्टेशनरी एवं
गिफ्ट आयटम
6/3, सुंदर अपार्टमेन्ट, क्लर्क कालोनी चौराहा, श्री सत्य सांई बाल विनय मंदिर के सामने, इन्दौर मो

राहुल जनरल स्टोर्स
शॉप नं. 3 मालवा मिल चौराहा, इंदौर
मो. 9977732802

देवास टीआई मौत मामलाः आयशर मालिक गिरफ्तार, तीन शराब दुकान के लाइसेंस रद्द; आबकारी विभाग के अफसर-कर्मी निलंबित



■ इंदौर। संभाग पोस्ट

मध्य प्रदेश के देवास जिले के खातेगांव थाना प्रभारी दिलीप पुरी की ट्रक से कुचलकर हुई मौत के मामले में पुलिस और प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। अवैध शराब तस्करी से जुड़े इस मामले में आयशर ट्रक के मालिक को गिरफ्तार किया गया है। वहीं, हरदा जिले के टिमरनी में संचालित तीन शराब दुकानों के लाइसेंस निलंबित कर दिए गए हैं। आबकारी विभाग के एक सहायक जिला अधिकारी सहित दो आरक्षकों पर भी निलंबन की कार्रवाई हुई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए राज्य शासन ने जांच की जिम्मेदारी आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो के महानिदेशक उपेंद्र जैन को सौंपी है। उपेंद्र जैन देवास पहुंचकर जांच शुरू कर चुके हैं। स्पेशल डीजी उपेंद्र जैन खातेगांव पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण किया। कहा कि पांच जिलों में हमारी टीम काम कर रही है। हर हालत में मामले की तह तक पहुंचा जाएगा। कुछ लोग भी चिन्हित किए जा चुके हैं। जानकारी के मुताबिक, अवैध शराब से भरा आयशर ट्रक क्रमांक श्इ 43 ए 4786 इंदौर होते हुए गुजरात की ओर जा रहा था। पुलिस को इसकी सूचना मिलने पर एसपी ने पांच से अधिक टीमें गठित कर कन्नौद, सतवास, नेमावर और खातेगांव पुलिस को कार्रवाई में लगाया था। इंदौर-बैतूल नेशनल हाईवे-59 पर हरदा-नेमावर मार्ग पर नाकाबंदी की गई थी। इसी दौरान ट्रक चालक एक ढाबे पर पानी पीने के लिए रुका। खातेगांव ऊइ दिलीप पुरी ने उसे पकड़ने के लिए घेराबंदी की और नीचे उतरने को कहा। इसी दौरान झूमाझटकी हुई। चालक ने भागने के प्रयास में ट्रक आगे बढ़ा दिया। दिलीप पुरी नीचे गिर गए और ट्रक का पिछला पहिया उनके ऊपर से गुजर गया। हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

आयशर मालिक गिरफ्तार, तीन दुकानें जांच के घेरे में

पुलिस ने इस मामले में आलीराजपुर जिले के बेहड़वा गांव से कैरम सिंह को गिरफ्तार किया है। उस पर अपनी स्विफ्ट कार से शराब ले जा रहे आयशर ट्रक की पायलटिंग करने का आरोप है। वहीं, हरदा कलेक्टर ने पाटेंद्र जायसवाल की टिमरनी स्थित तीन शराब दुकानों के लाइसेंस निलंबित कर दिए हैं। राधाबाई की पुलिया के पास स्थित शराब दुकान से ट्रक में शराब भरकर रवाना होने की आशंका जताई जा रही है। सोमवार सुबह एएसपी अमित मिश्रा, तहसीलदार देवशंकर धुर्वे, आबकारी अधिकारी सुनील भोजने और टीआई मुकेश गौड़ ने दुकान पहुंचकर स्टॉक की जांच की थी। टिमरनी की दो और रहटगांव की एक शराब दुकान घटना के बाद से बंद बताई गई हैं।

मैनेजर हिरासत में, आबकारी विभाग पर भी कार्रवाई

पुलिस ने शराब ठेकेदार के मैनेजर भूपेंद्र सिंह राणा को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। सहायक जिला आबकारी अधिकारी अमरसिंह बघेल और दो आबकारी आरक्षकों को भी निलंबित किया गया है। इस मामले में कांग्रेस नेता राहुल जायसवाल का नाम भी चर्चा में आया था। हालांकि, उन्होंने शराब ठेके का लाइसेंस अपने पास होने से इनकार किया। उनका कहना है कि ठेका बड़वानी निवासी पाटेंद्र जायसवाल के पास है और भूपेंद्र सिंह राणा मैनेजर हैं। फिलहाल पुलिस, आबकारी और राजस्व विभाग की टीमें शराब के स्रोत, परिवहन और तस्करी से जुड़े नेटवर्क की जांच कर रही हैं। अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही पूरे मामले की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

टीआई की शहादत पर एसपी का बड़ा बयान

बोले- पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करना ही शहीद को सच्ची श्रद्धांजलि





■ इंदौर। संभाग पोस्ट

देवास जिले के खातेगांव में अवैध शराब की खेप पकड़ने की कार्रवाई के दौरान थाना प्रभारी दिलीप पुरी की मौत के मामले में एसपी आदित्य मिश्रा ने महत्वपूर्ण जानकारी साझा की है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने कार्रवाई के दौरान एक आइशर वाहन जब्त किया है, जिसमें से 1800 लीटर से अधिक अल्कोहल बरामद हुआ है। प्रारंभिक जांच में इस खेप का स्रोत हरदा की एक वाइन शॉप सामने आया है। हालांकि अल्कोहल कहां पहुंचाया जाना था और इस कारोबार में कौन-कौन लोग शामिल हैं, इसकी जांच जारी है।

तीन से चार पुलिस टीमों ने की थी घेराबंदी

एसपी आदित्य मिश्रा ने बताया कि पुलिस को अवैध शराब की खेप के परिवहन को लेकर खुफिया सूचना मिली थी। इसके बाद जिले में कई पुलिस टीमें गठित की गईं। एक टीम का नेतृत्व खातेगांव थाना प्रभारी दिलीप पुरी कर रहे थे, जबकि दूसरी टीम में सतवास और कन्नौद के थाना प्रभारी शामिल थे। घटना सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात करीब 1 से 2 बजे के बीच हरदा-नेमावर हाईवे पर हुई। पुलिस को सूचना मिली थी कि हरदा की ओर से एक ट्रक देवास की तरफ आ रहा है। इसके बाद अलग-अलग स्थानों पर नाकाबंदी कर वाहन को रोकने की कोशिश की गई। बताया जा रहा है कि ट्रक एक ढाबे पर पानी पीने के लिए रुका था। इसी दौरान चेकिंग के लिए पहुंची पुलिस टीम ने वाहन को रोकने का प्रयास किया। आरोप है कि चालक ने ट्रक रोकने के बजाय टीआई दिलीप पुरी पर चढ़ा दिया। ट्रक का पहिया उनके ऊपर से गुजर गया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद पुलिसकर्मी उन्हें तत्काल खातेगांव के सरकारी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां पोस्टमार्टम कराया गया।

पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करना ही शहीद को सच्ची श्रद्धांजलि

एसपी ने कहा कि पुलिस का लक्ष्य केवल एक वाहन या कुछ आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करना नहीं है, बल्कि अवैध शराब के पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करना है। उन्होंने कहा कि इस मामले में ऐसी सख्त कार्रवाई की जाएगी जो दूसरों के लिए उदाहरण बने। यही दिवंगत थाना प्रभारी दिलीप पुरी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

जहरीली शराब कांड के बाद बढ़ाई गई थी निगरानी

गौरतलब है कि देवास जिले के चंदाना और बीजाना गांवों में हाल ही में जहरीली शराब पीने से एक दर्जन से अधिक लोगों की मौत का मामला सामने आया था। इस मामले में पुलिस ने कई आरोपियों को गिरफ्तार किया है। घटना के बाद राज्य सरकार ने तत्कालीन कलेक्टर और एसपी को भी हटा दिया था।













कर्तव्य की वेदी पर बलिदान देने वाले पुलिसकर्मी को नमन अब उनके परिवार के साथ खड़े होने की जिम्मेदारी हमारी है!



आदरणीय साथियों,

देवास जिले के खातेगांव थाना प्रभारी श्री दिलीप पुरी जी का अवैध शराब तस्करों के विरुद्ध कार्रवाई के दौरान वाहन से कुचले जाने के कारण निधन होना अत्यंत पीड़ादायक और दुर्भाग्यपूर्ण घटना है।

एक पुलिस अधिकारी, जो समाज की सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए अपनी जिम्मेदारी निभा रहा था, आज कर्तव्य की राह पर अपने प्राण न्योछावर कर गया। उनका यह बलिदान केवल पुलिस विभाग की क्षति नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए एक अपूरणीय नुकसान है।

मैं दिवंगत थाना प्रभारी श्री दिलीप पुरी जी को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। ईश्वर से प्रार्थना है कि परिवार को इस असहनीय पीड़ा को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

लेकिन आज मैं केवल श्रद्धांजलि देकर अपनी बात समाप्त नहीं करना चाहता। क्योंकि किसी कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी की शहादत के बाद हमारी जिम्मेदारी केवल दो मिनट का मौन रखने या सोशल मीडिया पर संवेदना व्यक्त करने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। हमें यह भी सोचना होगा कि जिस परिवार ने अपना एक सदस्य खोया है, उसके जीवन की आगे की लड़ाई कौन लड़ेगा?

अक्सर देखा जाता है कि ऐसी घटनाओं के बाद कुछ दिनों तक आक्रोश व्यक्त किया जाता है, बड़ी-बड़ी घोषणाएं होती हैं, आर्थिक सहायता और अन्य सुविधाओं के आश्वासन दिए जाते हैं। समाचारों में भी घटना प्रमुखता से दिखाई जाती है। लेकिन कुछ समय बीतने के बाद सब कुछ सामान्य हो जाता है।

सवाल यह है कि क्या उस परिवार का दर्द भी कुछ दिनों में समाप्त हो जाता है?

नहीं!

जिस परिवार ने अपना सहारा खोया है, उसके लिए यह पीड़ा जीवनभर की होती है। बच्चों के सिर से पिता का साया उठ जाता है, पत्नी के सामने पूरे परिवार की जिम्मेदारी आ जाती है और माता-पिता अपने बेटे को खोने का असहनीय दर्द लेकर जीवन बिताने को मजबूर हो जाते हैं। इसलिए अब समय आ गया है कि पुलिस विभाग, शासन और समाज इस विषय को केवल एक घटना मानकर न देखें, बल्कि इसे अपनी सामूहिक जिम्मेदारी समझें।

मेरी मांग है कि पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, पुलिसकर्मियों के सेवारत एवं सेवानिवृत्त संगठनों और पुलिस एसोसिएशन को मिलकर ऐसे परिवारों के लिए एक स्थायी सहायता व्यवस्था विकसित करनी चाहिए। शासन से यह सुनिश्चित करवाया जाना चाहिए कि शहीद पुलिसकर्मी के परिवार को पर्याप्त आर्थिक सहायता मिले, नियमानुसार पात्र आश्रित को अनुकंपा नियुक्ति दी जाए, बच्चों की शिक्षा का खर्च सुनिश्चित हो और परिवार के भविष्य की सुरक्षा के लिए दीर्घकालिक व्यवस्था बनाई जाए।

साथ ही, ऐसी घटनाओं में शामिल दोषियों के विरुद्ध त्वरित एवं कठोर कानूनी कार्रवाई हो, ताकि कानून के रखवालों पर हमला करने वालों को स्पष्ट संदेश मिले कि कानून से ऊपर कोई नहीं है।

मैं एक और महत्वपूर्ण सवाल उठाना चाहता हूं।

पिछले कुछ वर्षों में भी ऐसी अनेक घटनाएं सामने आई हैं, जहां पुलिसकर्मियों ने अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए अपने प्राण गंवाए। आज आवश्यकता है कि उन सभी मामलों की भी समीक्षा हो।

उन परिवारों की वर्तमान स्थिति क्या है? उन्हें जो आर्थिक सहायता देने की घोषणा हुई थी, क्या वह पूरी मिली? जिन आश्रितों को नौकरी देने का आश्वासन दिया गया था, क्या उन्हें नियुक्ति मिली? उनके बच्चों की शिक्षा और परिवार के भविष्य की जिम्मेदारी कौन उठा रहा है? उन घटनाओं में दोषियों को सजा मिली या नहीं?

इन सवालों के जवाब भी सार्वजनिक होने चाहिए।

क्योंकि किसी पुलिसकर्मी का बलिदान केवल एक विभागीय रिकॉर्ड या सरकारी फाइल का हिस्सा बनकर नहीं रह जाना चाहिए।

जो पुलिसकर्मी दूसरों के परिवारों की सुरक्षा के लिए अपनी जान जोखिम में डालते हैं, उनके परिवारों की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी शासन और पुलिस संगठन की होनी चाहिए।

हमें ऐसी व्यवस्था बनानी होगी, जहां किसी पुलिसकर्मी के शहीद होने के बाद उसका परिवार स्वयं को अकेला और असहाय महसूस न करे। पुलिस विभाग के अधिकारी और कर्मचारी केवल वर्दी के साथी न रहें, बल्कि कठिन समय में एक-दूसरे के परिवारों का संबल भी बनें। अंत में मैं यही कहना चाहता हूं कि श्रद्धांजलि देना हमारी संवेदना है, लेकिन उस परिवार को न्याय दिलाना, सम्मान देना और जीवनभर संबल प्रदान करना हमारा वास्तविक कर्तव्य है। आइए, हम यह संकल्प लें कि कर्तव्य की राह पर अपने प्राण न्योछावर करने वाले पुलिसकर्मियों का बलिदान केवल कुछ दिनों की सुर्खियों में सिमटकर नहीं रह जाएगा। शहीद पुलिसकर्मियों को सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी, जब उनके पीछे छूटे परिवार को न्याय, सुरक्षा, सम्मान और जीवनभर का संबल मिलेगा।

दिवंगत थाना प्रभारी श्री दिलीप पुरी जी को पुनः विनम्र श्रद्धांजलि।

जय हिंद! जय भारत!
सत्यमेव जयते।

इंदौर में पानी के संकट का अलर्ट!

निजी बोरिंग पर लगा प्रतिबंध

मशीनें होंगी जब्त, उल्लंघन पर रु. 2,000 जुर्माना और 2 साल तक की जेल

■ **इंदौर । संभाग पोस्ट**

इंदौर में गिरते भू-जल स्तर और संभावित पेयजल संकट को देखते हुए कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी शिवम वर्मा ने जिले के संपूर्ण शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों को जल अभावग्रस्त घोषित कर दिया है। इसके साथ ही निजी और अशासकीय नलकूप खनन पर आगामी आदेश तक प्रतिबंध लगा दिया गया है।



27 अक्टूबर 2026 से प्रभावशील आदेश के अनुसार प्रतिबंध का उल्लंघन कर बोरिंग करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। अवैध नलकूप खनन में इस्तेमाल होने वाली मशीनें जब्त की जा सकेंगी। संबंधित प्रावधानों के तहत दोषियों को रु.2,000 तक का जुर्माना, दो वर्ष तक का कारावास या दोनों की सजा हो सकती है।

हालांकि, शासकीय योजनाओं के तहत होने वाला नलकूप खनन इस प्रतिबंध से बाहर रहेगा। जरूरत पड़ने पर सार्वजनिक पेयजल व्यवस्था के लिए निजी जलस्रोतों का अधिग्रहण भी किया जा सकेगा।

कम बारिश और भू-जल के लगातार दोहन से पैदा हो रहे संकट के बीच प्रशासन के इस फैसले को पानी बचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। अब जिले में निजी बोरिंग कराने वालों को प्रशासन के आदेशों का पालन करना होगा।

...और इधर, रात के अंधेरे में हो गया बोरिंग

रात 11:35 बजे स्कीम 78 में हो रही बोरिंग, प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल

■ **इंदौर । संभाग पोस्ट**



इंदौर में निजी बोरिंग को लेकर जिला कलेक्टर शिवम वर्मा के आदेश के बीच स्कीम नंबर 78 में देर रात बोरिंग किए जाने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, रात 11:35 बजे वृंदावन होटल वाली गली में चाय लीला के सामने बोरिंग का काम चल रहा था। इस घटना का लाइव वीडियो इसी क्षेत्र के एक नागरिक ने उपलब्ध कराया है। देर रात बोरिंग किए जाने का मामला सामने आने के बाद अब जिला प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल उठ रहे हैं।

ऐसे में देखना होगा कि जिला कलेक्टर शिवम वर्मा के आदेश के बावजूद हो रहे इस काम पर प्रशासन क्या कार्रवाई करता है।

कार्यालय पताः 201, दूसरी मंजिल, इंदौर प्रेस क्लब परिसर, एम.जी. रोड, (जिला न्यायालय के सामने), इंदौर (म.प्र.),
स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक नवीन गलकर द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13 प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित एवं ए-119, वीणा नगर, सुखलिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादकः नवीन गलकर, मो. 9009919948